अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 19 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 19 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

Code No. 67/SS/A
गूढसंख्या
Set/ स्तवकः **A**

संस्कृतव्याकरणम्
संस्कृत व्याकरण
(346)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च .....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम् 1. .....
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

2. .....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 67/SS/A, स्तवक [A] नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।

4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 67/SS/A, सेट [A] अवश्य लिखें।

7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(346)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [**A**] भागे 20, [**B**] भागे 15, [**C**] भागे 6, [**D**] भागे 6, [**E**] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [**A**] भाग में 20, [**B**] भाग में 15, [**C**] भाग में 6, [**D**] भाग में 6, [**E**] भाग में 4—कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः। तत्र वैकल्पिकभागेषु एकः एव समाधेयः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। वैकल्पिक भागों में से एक विकल्प का ही समाधान कीजिए।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति अङ्काः दीयन्ते।

प्रत्येक प्रश्न के दाएँ भाग में संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) और अंक दिए गए हैं।

(iv) [**A**] भागे प्र. सं. 1 तः 20 पर्यन्तं बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकं एकः अंकः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतूर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकं उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु। एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति। एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एवं प्रयासः करणीयः।

A भाग में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है। प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। इनमें कुछ प्रश्नों पर एक आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। ऐसे सवालों में किसी एक का उत्तर दीजिए।

(v) [**B**] भागे प्र. सं. 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः। प्रत्येकं प्रश्नः अंकद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

B भाग में प्रश्न संख्या 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। निर्देशानुसार उनका उत्तर दीजिए।

(vi) [**C**] भागे प्र. सं. 36 तः 41 पर्यन्तं अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अंकद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

C भाग में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। निर्देशानुसार उनका समाधान कीजिए।

(vii) [**D**] भागे प्र. सं. 42 तः 47 पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *50* तः *80* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

D भाग में प्रश्न संख्या 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार *50* से *80* शब्दों की सीमा में उनका उत्तर दीजिए।

(viii) [**E**] भागे प्र. सं. 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *80* तः *100* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

E भाग में प्रश्न संख्या 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार *80* से *100* शब्दों की सीमा में उनका उत्तर दीजिए।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का गूढ़ संख्या अवश्य लिखना है।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर-पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा तथा प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

इस बात की जाँच अवश्य कर लें कि प्रश्न-पत्र पर दी गई पृष्ठ संख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पृष्ठ की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं तथा प्रश्न क्रम सही हैं या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time have been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

[A] विंशति प्रश्नानां (1–20) प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत— 1×20=20

बीस प्रश्नों (1–20) के दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए :

1. 'संख्यासुपूर्वस्य' इति सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति—

(क) द्विमूर्धः (ख) बहिर्लोमः

(ग) द्विपात् (घ) व्याघ्रपात्

'संख्यासुपूर्वस्य'—यह सूत्र का उदाहरण है :

(क) द्विमूर्ध (ख) बहिर्लोम

(ग) द्विपात् (घ) व्याघ्रपात्

अथवा

'ईश-कृष्णौ' अत्र द्वन्द्वे पूर्वनिपातः केन सूत्रेण?

(क) द्वन्द्वे घि (ख) अजाद्यदन्तम्

(ग) अल्पाच्तरम् (घ) चार्थे द्वन्द्वः

'ईश-कृष्णौ'—यहाँ द्वन्द्व में किस सूत्र से पूर्व निपात होता है?

(क) द्वन्द्वे घि (ख) अजाद्यदन्तम्

(ग) अल्पाच्तरम् (घ) चार्थे द्वन्द्व

2. प्रायेण पूर्वपदार्थप्रधानः समासः कः?

(क) अव्ययीभावः (ख) तत्पुरुषः

(ग) द्वन्द्वः (घ) बहुव्रीहिः

प्रायेण पूर्व पदार्थप्रधान समास कौन-सा है?

(क) अव्ययीभाव (ख) तत्पुरुष

(ग) द्वन्द्व (घ) बहुव्रीहि

अथवा

प्रायेण अन्यपदार्थप्रधानः समासः कः?

(क) द्वन्द्वः (ख) तत्पुरुषः

(ग) बहव्रीहिः (घ) अव्ययीभावः

प्रायेण अन्य पदार्थप्रधान समास कौन-सा है?

(क) द्वन्द्व (ख) तत्पुरुष

(ग) बहुव्रीहि (घ) अव्ययीभाव

3. 'अभ्यर्हितं च' इति वार्तिकस्योदाहरणं किम्?

(क) युधिष्ठिरार्जुनौ (ख) वासुदेवार्जुनौ

(ग) कुशकाशम् (घ) द्वादश

'अभ्यर्हितं च'—इस वार्तिक का उदाहरण कौन-सा है?

(क) युधिष्ठिरार्जुनौ (ख) वासुदेवार्जुनौ

(ग) कुशकाशम् (घ) द्वादश

अथवा

'येषां च विरोधः शाश्वतिकः' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्?

(क) शीतोष्णम् (ख) अहिनकुलम्

(ग) धानाशष्कुलि (घ) शमीदृषदम्

'येषां च विरोधः शाश्वतिकः'—इस सूत्र का उदाहरण कौन-सा है?

(क) शीतोष्णम् (ख) अहिनकुलम्

(ग) धानाशष्कुलि (घ) शमीदृषदम्

4. 'वाक्त्वचम्' इति प्रयोगे कः प्रत्ययः?

(क) टच् (ख) अच्

(ग) आनङ् (घ) षच्

'वाक्त्वचम्'—इस प्रयोग में कौन-सा प्रत्यय है?

(क) टच् (ख) अच्

(ग) आनङ् (घ) षच्

अथवा

'गवाक्षः' अत्र कः प्रत्ययः?

(क) अ (ख) टच्

(ग) अच् (घ) आनङ्

'गवाक्ष'—यहाँ कौन-सा प्रत्यय है?

(क) अ (ख) टच्

(ग) अच् (घ) आनङ्

5. 'कृष्णसर्पः' अत्र लौकिकविग्रहः कः?

(क) कृष्णः च सर्पः च (ख) कृष्णश्चासौ सर्पश्च

(ग) सर्पः च कृष्णः च (घ) सर्पः एव कृष्णः

'कृष्णसर्पः'—इसका लौकिक विग्रह कौन-सा है?

(क) कृष्णः च सर्पः च (ख) कृष्णश्चासौ सर्पश्च

(ग) सर्पः च कृष्णः च (घ) सर्पः एव कृष्ण

अथवा

'हरौ इति' लौकिकविग्रहे किं रूपम् निष्पद्यते?

(क) हरि इति (ख) अतिहरि

(ग) अधिहरि (घ) अधिहरिः

'हरौ इति'—इस लौकिक विग्रह का क्या रूप बनता है?

(क) हरि इति (ख) अतिहरि

(ग) अधिहरि (घ) अधिहरिः

6. 'दामा' इति प्रयोगे 'दामन्' शब्दात् कः प्रत्ययः?

(क) टाप् (ख) डाप्

(ग) चाप् (घ) ङीन्

'दामा' शब्द के प्रयोग में 'दामन्' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?

(क) टाप्　　(ख) डाप्

(ग) चाप्　　(घ) ङीन्

अथवा

'युवतिः' अत्र 'युवन्' शब्दात् कः प्रत्ययो जातः?

(क) ति　　(ख) ङीन्

(ग) टाप्　　(घ) ङीप्

युवति—यहाँ 'युवन्' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?

(क) ति　　(ख) ङीन्

(ग) टाप्　　(घ) ङीप्

7. कति स्त्रीप्रत्ययाः सन्ति?

(क) त्रयः　　(ख) अष्टौ

(ग) पञ्च　　(घ) षट्

स्त्री प्रत्यय कितने हैं?

(क) तीन　　(ख) आठ

(ग) पाँच　　(घ) छह

अथवा

'वैदी' अत्र कः स्त्रीप्रत्ययः?

(क) ङीप्　　(ख) ङीष्

(ग) ङीन्　　(घ) टाप्

'वैदी'—यहाँ स्त्री-प्रत्यय कौन-सा है?

(क) ङीप्　　(ख) ङीष्

(ग) ङीन्　　(घ) टाप्

8. 'उगितश्च' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्?

(क) पचन्ती　　(ख) दण्डिनी

(ग) कुमारी　　(घ) रोहिणी

'उगितश्च'—इस सूत्र का उदाहरण क्या है?

(क) पचन्ती (ख) दण्डिनी

(ग) कुमारी (घ) रोहिणी

अथवा

'द्विगोः' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्?

(क) ऐन्द्री (ख) हरिणी

(ग) पञ्चमूली (घ) कुमारी

'द्विगोः' सूत्र का उदाहरण क्या है?

(क) ऐन्द्री (ख) हरिणी

(ग) पञ्चमूली (घ) कुमारी

9. 'मृद्वी' अत्र ङीष् स्त्रीप्रत्ययविधायकं सूत्रं किम्?

(क) बह्वादिभ्यश्च (ख) वोतो गुणवचनात्

(ग) षिद्गौरादिभ्यश्च (घ) इतो मनुष्यजातेः

'मृद्वी'—यहाँ ङीष् स्त्री-प्रत्यय विधायक सूत्र क्या है?

(क) बह्वादिभ्यश्च (ख) वोतो गुणवचनात्

(ग) षिद्गौरादिभ्यश्च (घ) इतो मनुष्यजाते

अथवा

'अरण्यानी' अत्र 'अरण्य'-शब्दात् कः स्त्रीप्रत्ययः आगमश्च भवतः?

(क) ङीष् + आनुक् (ख) ङीप् + आन्

(ग) ङीन् + आनक् (घ) ङीष् + अन्

'अरण्यानी'—यहाँ अरण्य शब्द में/से किन स्त्री प्रत्यय का आगम होता है?

(क) ङीष् + आनुक् (ख) ङीप् + आन्

(ग) ङीन् + आनक् (घ) ङीष् + अन्

10. सत्पूर्वको व्यापारः कः?

(क) विधिः (ख) निमन्त्रणम्

(ग) अधीष्टः (घ) प्रार्थना

सत्पूर्वक व्यापार क्या है?

(क) विधि (ख) निमंत्रण

(ग) अधीष्ट (घ) प्रार्थना

अथवा

लिङ् स्थाने विहितानां परस्मैपदानां यासुट् किं भवति?

(क) आदेशः (ख) आगमः

(ग) प्रत्ययः (घ) अपवादः

लिङ् धातु में परस्मैपद जिससे परे हो वहाँ यासुट् का क्या होता है?

(क) आदेश (ख) आगम

(ग) प्रत्यय (घ) अपवाद

11. आशिषि लिङ् 'यासुट्' कित् केन सूत्रेण?

(क) क्ङिति च (ख) अतो येयः

(ग) किदाशिषि (घ) लोपो व्योर्वलि

आशिषि लिङ् यासुट कहाँ किस सूत्र से होता है?

(क) क्ङिति च (ख) अतो येयः

(ग) किदाशिषि (घ) लोपो व्योर्वलि

12. च्लेः स्थाने सिच् कस्मिन् लकारे भवति?

(क) लुङि (ख) लङि

(ग) लिङि (घ) लृङि

च्लेः स्थान में सिच् किस लकार में होता है?

(क) लुङि (ख) लङि

(ग) लिङि (घ) लृङि

13. 'अभविष्यत्' इति कस्य लकारस्य रूपम्?

(क) लङ् (ख) लट्

(ग) लृङ् (घ) लुङ्

'अभविष्यत्'—यह किस लकार का रूप है?

(क) लङ् (ख) लट्

(ग) लृङ् (घ) लुङ्

14. 'अतति' अत्र 'अत' धातोः कः अर्थः?

(क) गमनम् (ख) सातत्यगमनम्

(ग) भ्रमणम् (घ) गतिनिवृत्तिः

'अतति'—यहाँ 'अत' धातु का क्या अर्थ है?

(क) गमनम् (ख) सातत्यगमनम्

(ग) भ्रमणम् (घ) गतिनिवृत्तिः

15. 'णलुत्तमो वा' इति सूत्रस्योदाहरणं किम्?

(क) चिक्षाय (ख) चिक्षियुः

(ग) चिक्षिय (घ) चिक्षेय

'णलुत्तमो वा'—इस सूत्र का उदाहरण क्या है?

(क) चिक्षाय (ख) चिक्षियुः

(ग) चिक्षिय (घ) चिक्षेय

16. 'एधते' अत्र 'त'-प्रत्ययस्य टेः अकारस्य स्थाने एकारः केन सूत्रेण?

(क) आतो ङितः (ख) थासः से

(ग) टित आत्मनेपदानां टेरे (घ) इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः

'एधते'—यहाँ 'त' प्रत्यय का टि-अकार के स्थान पर एकार किस सूत्र से होता है?

(क) आतो ङितः (ख) थासः से

(ग) टित आत्मनेपदानां टेरे (घ) इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः

17. 'जुहोत्यादिभ्यः श्लुः' इति सूत्रेण कस्य स्थाने श्लुः भवति?

(क) लट् स्थाने (ख) 'हु'-धातोः स्थाने

(ग) तिपः स्थाने (घ) शपः स्थाने

'जुहोत्यादिभ्यः श्लुः'—इस सूत्र में किसके स्थान पर श्लुः होता है?

(क) लट् स्थान पर/में (ख) हु धातु के स्थान पर

(ग) तिप के स्थान पर (घ) शप के स्थान पर

18. 'उपगोः अपत्यम्' इति लौकिकविग्रहे किं रूपं भवेत्?

(क) उपगवम् (ख) औपगवः

(ग) ओपगवः (घ) उपगुः

'उपगोः अपत्यम्'—इस विग्रह का रूप होगा :

(क) उपगवम् (ख) औपगवः

(ग) ओपगवः (घ) उपगुः

19. 'वैनतेयः' अत्र विनता-शब्दात् कः प्रत्ययः?

(क) अण् (ख) यत्

(ग) ढक् (घ) घ

'वैनतेयः'—यहाँ विनता शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?

(क) अण् (ख) यत्

(ग) ढक् (घ) घ

20. 'दन्तुरः' अस्य अर्थः कः?

(क) उन्नताः दन्ताः अस्य सन्ति (ख) उन्नतं दन्तम्

(ग) उन्नतानि दन्तानि यस्य (घ) उन्नताः दन्तैः यः

'दन्तुरः'—इसका अर्थ क्या है?

(क) जिसके दाँत उभरे हुए हैं (ख) ऊँचे दाँत

(ग) जिसके दाँत बढ़े हुए हैं (घ) उभरे हुए दाँतों के साथ

[B] पञ्चदश प्रश्नानां (21–35) यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×15=30

(21–35) तक पन्द्रह प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

21. युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) तत्पुरुषः (क) अव्ययीभावादि-विशेषसंज्ञाभिः विनिर्मुक्तः

(ii) केवलसमासः (ख) प्रायेण उत्तरपदार्थप्रधानः

उचित मिलान कीजिए—

(i) तत्पुरुषः (क) अव्ययभाव आदि विशेष संज्ञाओं से विनिर्मुक्त

(ii) केवलसमासः (ख) प्रायः उत्तर पदार्थप्रधान

22. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) इनः स्त्रियाम् (क) छत्रोपानहम्

(ii) देवताद्वन्द्वे च (ख) बहुदण्डिका

(ग) मित्रावरुणौ

सूत्रों एवम् उदाहरण का उचित मिलान कीजिए :

(i) इनः स्त्रियाम् (क) छत्रोपानहम्

(ii) देवताद्वन्द्वे च (ख) बहुदण्डिका

(ग) मित्रावरुणौ

अथवा

सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) आनङृतो द्वन्द्वे (क) द्वादश

(ii) अल्पाच्तरम् (ख) होतापोतारौ

(ग) शिवकेशवौ

सूत्रों एवम् उदाहरण का उचित मिलान कीजिए :

(i) आनङृतो द्वन्द्वे (क) द्वादश

(ii) अल्पाच्तरम् (ख) होतापोतारौ

(ग) शिवकेशवौ

23. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) ऋक्पूरब्धूः पथामानक्षे (क) प्राध्वः

(ii) न पूजनात् (ख) सुराजा

(ग) सखिपथः

सूत्रों का उदाहरणों से उचित मिलान कीजिए :

(i) ऋक्पूरब्धूः पथामानसे (क) प्राध्वः

(ii) न पूजनात् (ख) सुराजा

(ग) सखिपथः

24. सिद्धशब्देन सह प्रत्ययस्य युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत—

(i) प्राध्वो रथः (क) अ

(ii) शमीदृषदम् (ख) अच्

(ग) टच्

सिद्ध शब्द के साथ प्रत्यय का उचित मिलान कीजिए :

(i) प्राध्वो रथः (क) अ

(ii) शमीदृषदम् (ख) अच्

(ग) टच्

25. सिद्धशब्देन सह स्त्रीप्रत्ययस्य मेलनं युक्तियुक्तं कुरुत—

(i) दाक्षी	(क) ङीन्
(ii) इत्वरी	(ख) ङीष्
	(ग) ङीप्

सिद्ध शब्द के साथ स्त्री-प्रत्यय का उचित मिलान कीजिए :

(i) दाक्षी	(क) ङीन्
(ii) इत्वरी	(ख) ङीष्
	(ग) ङीप्

26. विग्रहानुसारम् उचितपदमेलनं कुरुत—

(क) कुम्भं करोति या सा—कुम्भकर्त्री / कुम्भकारी 1+1=2

(ख) इन्द्रो देवता अस्याः—ऐन्द्री / ऐन्द्रः

विग्रह के अनुसार उचित पद का मिलान कीजिए :

(क) कुम्भं करोति या सा—कुम्भकर्त्री / कुम्भकारी

(ख) इन्द्रो देवता अस्याः—ऐन्द्री / ऐन्द्रः

27. (क) 'गार्ग्यः' अस्य लौकिकविग्रहः कः? 1+1=2

'गार्ग्यः' का लौकिक विग्रह क्या है?

(ख) 'गर्ग'-शब्दात् 'यञ्' प्रत्ययः केन सूत्रेण?

'गर्ग' शब्द से 'यञ्' प्रत्यय किस सूत्र से होता / लगता है?

28. (क) कन्यायाः अपत्यम् इति लौकिकविग्रहे किं रूपम्? 1+1=2

'कन्यायाः अपत्यम्'—इस लौकिक विग्रह का रूप क्या है?

(ख) उक्त विग्रहे किं सूत्रं प्रवर्तते?

उक्त विग्रह में कौन-सा सूत्र लागू होता है?

29. लकार-उदाहरणयोः परस्परं समुचितं मेलनं कुरुत— 1+1=2

(i) लङ्	(क) भविष्यथः
(ii) लृट्	(ख) अभविष्यत्
	(ग) अभवत्

लकार और उदाहरणों का परस्पर उचित मिलान कीजिए :

(i) लङ्	(क) भविष्यथः
(ii) लृट्	(ख) अभविष्यत्
	(ग) अभवत्

30. निम्नलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यं वा इति निर्धारणं कुरुत— 2

(क) अभ्यास-ऋकारस्य अत् विधीयते। (उरत्)

(ख) इटः परस्य सस्य लोपः न स्यात्। (इट ईटि)

निम्नलिखित विधाओं में सत्य और असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) अभ्यास-ऋकारस्य अत् विधीयते। (उरत्)

(ख) इटः परस्य सस्य लोपः न स्यात्। (इट ईटि)

31. धात्वर्थं मेलयत—सत्यम् असत्यम् वा— 2

(क) कटे—वर्षावरणयोः

(ख) हु—दानादनयोः

धातु का अर्थ से मिलान कीजिए—सत्य है या असत्य लिखिए :

(क) कटे—वर्षावरणयोः

(ख) हु—दानादनयोः

32. सत्यम् असत्यम् वा इति निर्दिशत— 2

(क) तुदादिभ्यः धातुभ्यः श्यन् भवति।

(ख) रुधादिभ्यः धातुभ्यः श्नुः भवति।

सत्य या असत्य बताइए :

(क) तुदादिभ्यः धातुभ्यः श्यन् भवति।

(ख) रुधादिभ्यः धातुभ्यः श्नुः भवति।

33. निम्नलिखितविधानेषु सत्यम् असत्यम् वा इति निर्दिशत— 2

(क) क्र्यादिगणे धातुभ्यः शपः स्थाने श्ना प्रत्ययो भवति।

(ख) चुरादिगणे पठित धातुभ्यः णिच् प्रत्ययो विधीयते।

निम्नलिखित विधाओं में सत्य और असत्य का निर्धारण कीजिए :

(क) क्र्यादिगण में धातु में शप स्थान पर श्ना प्रत्यय होता है।

(ख) चुरादिगण में पठित धातु में णिच् प्रत्यय होता है।

34. सत्यम् असत्यम् वा इति निर्दिशत— 2

(क) 'कुर्वन्ति' इति प्रयोगे उपधादीर्घस्य निषेधो भवति। (न भकुर्छुराम्)

(ख) तनादिधातुभ्यः शपं प्रबाध्य 'उ' प्रत्ययेन विधीयते।

सत्य या असत्य बताइए :

(क) 'कुर्वन्ति' इस प्रयोग में उपधादीर्घ का निषेध होता है। (न भकुर्छुराम्)

(ख) तनादिधातु में शपं का बाध 'उ' प्रत्यय में होता है।

35. अधोलिखितं कथनद्वयं सत्यम् असत्यम् वा इति निर्दिशत— 2

(क) 'षुञ्' अभिषवे धातुः उभयपदी नास्ति।

(ख) 'कुर्यात्' इति 'ये च' सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति।

नीचे लिखे दोनों कथन सत्य हैं या असत्य बताइए :

(क) 'षुञ्' अभिषवे धातु उभयपदी नहीं है।

(ख) 'कुर्यात्'—यह 'ये च' सूत्र का उदाहरण है।

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत— 2×6=12

छह प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

36. 'कारिका' इत्यत्र कः प्रत्ययः? कस्य सूत्रस्योदाहरणम्?
'कारिका'—यहाँ कौन-सा प्रत्यय है? यह किस सूत्र का उदाहरण है?

37. 'रोहिणी' रोहिता इति प्रयोगद्वयविधायकं सूत्रं किम्?
'रोहिणी' रोहिता प्रयोगद्वयविधायक सूत्र क्या है?

38. 'जग्लौ' अत्र कः धातु? कस्य सूत्रस्योदाहरणम्?
'जग्लो'—यहाँ कौन-सी धातु है? यह किस सूत्र का उदाहरण है?

39. चुरादिभ्यो णिच् विधायकं सूत्रं किम्?
चुरादिभ्यो णिच् विधायक सूत्र क्या है?

40. 'कुरोः अपत्यम्' इति लौकिकविग्रहे किं रूपं स्यात्? अत्र अपत्य प्रत्ययविधायकं सूत्रं किम्?
'कुरोः अपत्यम्'—इस लौकिक विग्रह का रूप क्या है? यहाँ अपत्य प्रत्यय विधायक सूत्र क्या है?

41. 'मतुप्' प्रत्ययविधायकं सूत्रं किम्? उदाहरणमपि लिखत।
'मतुप्' प्रत्यय विधायक सूत्र क्या है? उदाहरण भी लिखिए।

[D] षट् प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18

छह प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

42. 'यङश्चाप्' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।
'यङश्चाप्' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

43. 'कुमारी' इति 'वस्त्रक्रीती' इति वा प्रयोगं ससूत्रं साधयत।
'कुमारी' या 'वस्त्रक्रीती' प्रयोग को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

44. तुदादिगणे कः विकरणप्रत्ययः? तद्विधायकं सूत्रं सार्थं प्रतिपादयत।
तुदादिगण में विकरण प्रत्यय क्या है? उस विधायक सूत्र को अर्थ सहित प्रतिपादित कीजिए।

45. 'अभूत्' इति 'क्रीणाति' इति वा प्रयोगं ससूत्रं साधयत।

अभूत् या क्रीणाति प्रयोग को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

46. 'ग्रामजनबन्धुभ्यस्तल्' इति 'अत इनिठनौ' इति वा सूत्रं सोदाहरणं स्पष्टयत।

ग्रामजनबन्धुस्तल् या 'अत इनिठनौ' सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

47. 'रैवतिकः' इति 'राष्ट्रियः' इति वा प्रयोगं ससूत्रं साधयत।

रैवतिकः या राष्ट्रियः प्रयोग को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेया— 5×4=20

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए :

48. 'चार्थे द्वन्द्वः' इति सूत्रं 'केवल-समासः' वा सप्रसङ्गं व्याख्यात।

'चार्थे द्वन्द्वः' या 'केवल–समासः' की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

49. 'अदि-प्रभृतिभ्यः शपः' इति सूत्रं 'अनुदात्तोपदेश-वनति-तनोत्यादीनामनुनासिकलोपो झलि क्ङिति' इति सूत्रं वा सप्रसङ्गं व्याख्यात।

'अदि–प्रभृतिभ्यः शपः' या 'अनुदात्तोपदेश–वनति–तनोत्यादीनामनुनासिकलोपो झलि क्ङिति' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

50. दीव्यति, एधस्व इति वा रूपं ससूत्रं साधयत।

'दीव्यति' या 'एधस्व' रूप को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए।

51. तमप्-इष्टन् प्रत्यययोः वैशिष्ट्यं सोदाहरणं स्पष्टयत।

तमप्–इष्टन् प्रत्यय की विशेषता उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'च्वि' प्रत्ययस्य प्रयोगं सोदाहरणं स्पष्टयत।

'च्वि' प्रत्यय का प्रयोग उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

★★★